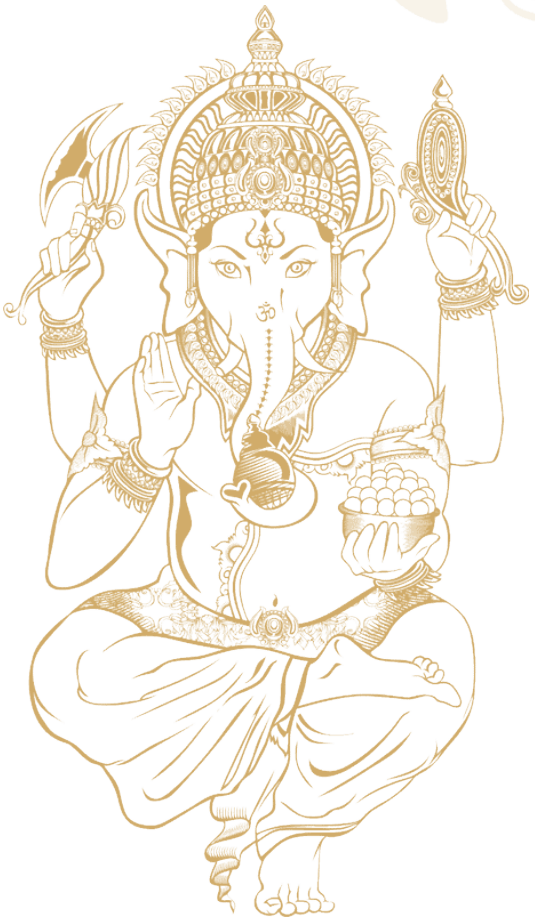

Jay Siddharth

25 Nov 1988

06:44 PM

Baraut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121634203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/11/1988**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:44:00 घंटे**
इष्ट	29:38:00 घटी
स्थान	**Baraut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:06:00 उत्तर
रेखांश	77:15:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:23:00 घंटे
वेलान्तर	00:12:58 घंटे
साम्पातिक काल	22:41:47 घंटे
सूर्योदय	06:52:47 घंटे
सूर्यास्त	17:23:15 घंटे
दिनमान	10:30:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:47:37 वृश्चिक
लग्न के अंश	01:06:22 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:06:22	339:43:02	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	09:47:37	01:00:41	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	04:00:14	13:29:02	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मीन	10:58:01	00:18:47	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मित्र राशि
बुध		अ	वृश्चि	06:30:18	01:34:54	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु	व		वृष	07:00:49	00:08:10	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	08:44:47	01:14:03	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	07:40:25	00:06:32	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:18:09	00:11:42	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:18:09	00:11:42	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	05:53:37	00:03:20	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप			धनु	14:54:19	00:01:56	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	19:38:16	00:02:19	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
दशम भाव			कुंभ	15:08:07	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:12

लग्न-चलित

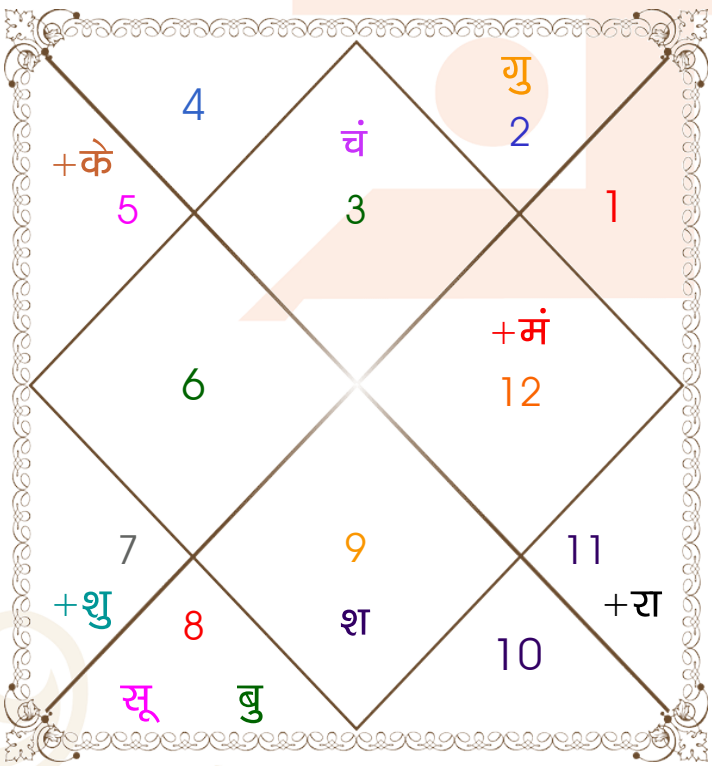

चन्द्र कुंडली

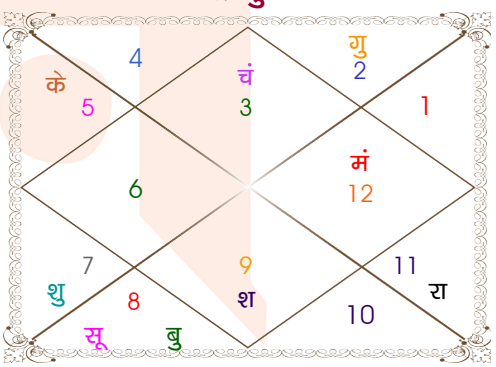

नवमांश कुंडली

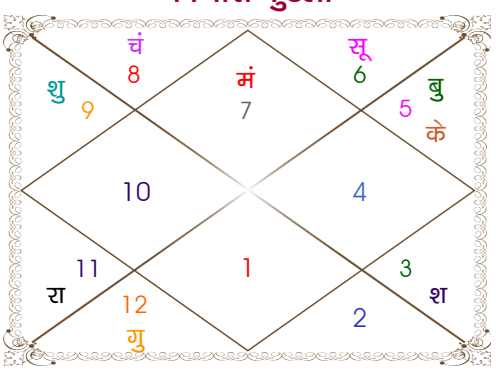

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 4 मास 23 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
25/11/1988		20/04/1990		19/04/2008		19/04/2024		20/04/2043	
20/04/1990		19/04/2008		19/04/2024		20/04/2043		19/04/2060	
	00/00/0000	राहु	31/12/1992	गुरु	08/06/2010	शनि	23/04/2027	बुध	16/09/2045
	00/00/0000	गुरु	27/05/1995	शनि	19/12/2012	बुध	31/12/2029	केतु	13/09/2046
	00/00/0000	शनि	02/04/1998	बुध	27/03/2015	केतु	09/02/2031	शुक्र	14/07/2049
	00/00/0000	बुध	19/10/2000	केतु	02/03/2016	शुक्र	11/04/2034	सूर्य	20/05/2050
	00/00/0000	केतु	07/11/2001	शुक्र	01/11/2018	सूर्य	24/03/2035	चंद्र	20/10/2051
	25/11/1988	शुक्र	06/11/2004	सूर्य	20/08/2019	चंद्र	22/10/2036	मंगल	16/10/2052
शुक्र	14/05/1989	सूर्य	01/10/2005	चंद्र	19/12/2020	मंगल	01/12/2037	राहु	05/05/2055
सूर्य	19/09/1989	चंद्र	02/04/2007	मंगल	25/11/2021	राहु	07/10/2040	गुरु	10/08/2057
चंद्र	20/04/1990	मंगल	19/04/2008	राहु	19/04/2024	गुरु	20/04/2043	शनि	19/04/2060

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/04/2060		20/04/2067		20/04/2087		20/04/2093		21/04/2103	
20/04/2067		20/04/2087		20/04/2093		21/04/2103		00/00/0000	
केतु	16/09/2060	शुक्र	20/08/2070	सूर्य	08/08/2087	चंद्र	18/02/2094	मंगल	17/09/2103
शुक्र	16/11/2061	सूर्य	20/08/2071	चंद्र	06/02/2088	मंगल	19/09/2094	राहु	05/10/2104
सूर्य	24/03/2062	चंद्र	20/04/2073	मंगल	13/06/2088	राहु	20/03/2096	गुरु	11/09/2105
चंद्र	23/10/2062	मंगल	20/06/2074	राहु	08/05/2089	गुरु	20/07/2097	शनि	21/10/2106
मंगल	21/03/2063	राहु	20/06/2077	गुरु	24/02/2090	शनि	18/02/2099	बुध	18/10/2107
राहु	07/04/2064	गुरु	19/02/2080	शनि	06/02/2091	बुध	21/07/2100	केतु	15/03/2108
गुरु	14/03/2065	शनि	20/04/2083	बुध	14/12/2091	केतु	19/02/2101	शुक्र	26/11/2108
शनि	23/04/2066	बुध	18/02/2086	केतु	19/04/2092	शुक्र	21/10/2102		00/00/0000
बुध	20/04/2067	केतु	20/04/2087	शुक्र	20/04/2093	सूर्य	21/04/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 4 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।